महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का "गज़ल संध्या" के अवसर पर उद्बोधन

स्थान:- नूर-उस-सबाह पैलेस भोपाल, दिनांक:- 27 अप्रैल,2013,समय:- शाम 7बजे

मुझे जस्टिस तन्खा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित गज़ल संध्या के इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। इसके लिए मैं प्रदेश के जाने-माने विधि विशेषज्ञ श्री विवेक तन्खा जी का तहे-दिल से धन्यवाद अदा करता हूँ और जस्टिस तन्खा जिनके नाम से यह ट्रस्ट स्थापित किया गया है उनकी स्मृति को प्रणाम करता हूं। साथ ही,अपने स्वर के सौंदर्य से गज़लों को और भी अधिक पुर-असर बनाने में सिद्धहस्त सुविख्यात गज़ल गायक जनाब तलत अजीज का झीलों के शहर में पूरे दिल से इस्तकबाल करता हूँ,स्वागत करता हूँ।

गज़लों का अपना एक समूचा सौंदर्य शास्त्र होता है जो श्रोताओं को दिल की गहराइयों तक प्रभावित करता है और जब कोई माहिर और नामचीन गायक अपनी खनकदार आवाज से गज़लों को अर्थवान बना देता है,तब उसका असर हमारे और आपके दिलो-दिमाग पर बहुत लम्बे समय तक एक खुशनुमा एहसास की तरह असर दिखाता रहता है।

गज़लों का यह कार्यक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है ही कि इस में तलत अजीज जैसे गज़ल गायक अपनी आवाज के जादू से हम सभी को सम्मोहित करने वाले हैं बल्कि यह कार्यक्रम इस अर्थ में भी विशेष बन गया है कि इस आयोजन के पीछे एक पावन उद्देश्य है,समाज के एक विशेष तबके की सेवा करने की सद्-इच्छायें भी जुड़ी हुई हैं।

समाज की सेवा करने के उद्देश्य से जुडी हुई छोटी से छोटी कोशिश भी महत्वपूर्ण होती हैं। ऐसी तमाम कोशिशें मिल कर एक उन्नत और समर्थ समाज की संरचना करती हैं। मैं श्री विवेक तन्खा जी को इस बात के लिए साधुवाद देता हूँ कि उन्होंने समाज के गरीब शोषित और वंचित वर्ग के शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के स्वास्थ्य,शिक्षा और उनके समाजिक और आर्थिक पुर्नवास की एक महत्वपूर्ण पहल की है। उनकी यह कोशिश अनुकरणीय है।

मेरा मानना है कि किसी न किसी रूप में समाज की सेवा करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य होता है। समाज ही हमें साधन,सुविधायें और अवसर उपलब्ध करता है। इसी सहयोग से हम सामथ्र्यवान बनते हैं, हम सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षणिक रूप से सक्षम बनते हैं। समाज के इसी सहयोग का कर्ज सेवा की अपनी कोशिशों से चुकाना हर व्यक्ति का प्राथमिक दायित्व है।

मुझे खुशी है कि श्री तन्खा जी अपने जीवन में तमाम शीर्षस्थ उपलब्धियाँ हासिल करने के वावजूद आज भी समाज से जुड़े हुए हैं और उन्हे उसकी चिन्ता है।

इस उद्देश्य से जुड़े सभी लोगों को मेरी बधाई और शुभकामनाएं।

जय हिन्द।